|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 05. März 2025 | | |
| **Aschermittwoch C** | | |
| Erste Lesung: Joel 2,12-18; Zweite Lesung: 2 Kor 5,20-6,2; Evangelium: Mt 6,1-6.16-18 | | |
| Eröffnung: | GL 277, 1+2 | Aus tiefer Not |
|  | GL 272 | Zeige uns, Herr, deine Allmacht und Güte |
|  | GL 744 | Herr Gott, vor den wir treten |
|  | GL 638, 1-4 | Nun ist sie da, die rechte Zeit |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 4 | Herr Jesus, du rufst die Menschen |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 51,3-6b.12-14.17 |  |
|  | Kehrvers: GL 639, 1+2 | Erbarme dich meiner |
|  | Oder |  |
|  | Psalmlied: |  |
|  | GL 268, 1+3+4 | Erbarme dich, erbarm dich mein |
|  |  |  |
| Ruf v. d. Evangelium: | Ruf: GL 584, 9 | |
|  | *Wenn ihr heute seine Stimme hört,* | |
|  | *verhärtet nicht euer Herz!* | |
|  |  |  |
| Homilie – Einladung zum Gebet – Gebet – Besprengung der Asche mit Weihwasser | | |
|  |  |  |
| Während der Austeilung |  |  |
| des Aschenkreuzes: | GL 266 | Bekehre uns, vergib die Sünde |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 422 | Ich steh vor dir mit leeren Händen |
|  | GL 460 | Wer leben will wie Gott |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 129 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 747 | Gottes Lamm |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 211 | Wir rühmen dich König |
|  | GL 275 | Selig, wem Christus |
|  | Alternativmelodie: |  |
|  | GL 484 |  |
|  |  |  |
| Schlusslied: | GL 746, 1+3+6 | Dich liebt, o Gott, mein ganzes Herz |